भारतीय निर्यात-आयात बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञप्ति क्रमांक :13/2009

03/08/2009 को 1200 बजे से पूर्व प्रकाशित न किया जाए।

प्रेस विज्ञप्ति

मिजोरम से निर्यात संभाव्यता पर एक्ज़िम बैंक का अध्ययन

''मिजोरमः निर्यात संभाव्यता एवं अवसर'' नामक एक्ज़िम बैंक के अध्ययन का विमोचन आजवाल में 3 अगस्त, 2009 को, ''मिजोरम से निर्यात संभाव्यता'' विषय पर आयोजित एक सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर मिजोरम सरकार के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री श्री लारिन्लिअना साइलो द्वारा किया गया। अध्ययन में निर्यात संभाव्यता वाले क्षेत्रों का विश्लेषण करते हुए मिजोरम की निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीति का उल्लेख किया गया है।

अपने मुख्य वक्तव्य में बोलते हुए श्री लारिन्लिअना साइलो ने इस प्रकार के सेमिनार के आयोजन तथा इस अध्ययन के लिए एक्जिम बैंक को बधाई देते हुए कहा कि इससे मिजोरम सरकार तथा मिजोरम एंट्रेप्रेन्योरशिप नेटवर्क जैसे संगठनों को राज्य के निर्यात संवर्धन प्रयासों के लिए केंद्रित दृष्टि अपनाने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय निर्यात-आयात बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी.सी वेंकट सुब्रमणियन ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशेषकर कृषि प्रसंस्करण तथा हैंडीक्राफ्ट के क्षेत्र में पड़ोसी देशों एवं दक्षिण पूर्व एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने की अकूत संभावनाएं हैं। इस संदर्भ में श्री सुब्रमणियन ने सहभागी संस्थाओं तथा राज्य सरकारों के साथ मिलकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में निर्यात क्षमता तथा कौशल के उन्नयन के लिए एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित किए गए सेमिनारों का विशेष रूप से उल्लेख किया। भारतीय प्रबंध संस्थान, शिलांग के निदेशक प्रोफेसर अशोक के. दत्ता ने भी अपने वक्तव्य में इस क्षेत्र में कौशल तथा उद्यमिता उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया।

एक्ज़िम बैंक के अध्ययन में बताया गया है कि मिजोरम में उच्च मूल्य के कृषि तथा पुष्प उत्पादों सहित हैंडलूम तथा हैंडीक्राफ्ट और निर्यात संभाव्यता वाले फलों जैसे पैशन फ्रूट्स, अदरक, मंदारिन संतरे, अंगूर, केला, शायोटे स्क्वैश, बर्ड्स आई चिली, वाइल्ड मशरूम, एंथुरियम, औषधीय पौधे तथा हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के चलते मिजोरम से निर्यात की संभावनाएं काफी अधिक हैं। अध्ययन में आगे यह भी बताया गया है कि मिजोरम में व्यापक अनुकूल कृषि जलवायु के चलते खीरे के बड़े स्तर पर उत्पादन करने पर विचार किया जा सकता है।

मिजोरम राज्य के लिए व्यवहार्य निर्यात रणनीति के तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अध्ययन में यह बताया गया है कि ऐसी रणनीति में अनुकूल व्यापार वातावण; बढ़ते अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखते हुए फल रस प्रसंस्करण को बढ़ावा; भंडारण, पैकेजिंग तथा परिवहन सुविधाओं को व्यवस्थित करते हुए जैविक कृषि का संवर्धन; राज्य में उद्यमिता का विकास; उत्पादन स्तर पर रणनीतियों जैसे उच्च उत्पादन वाली रोगमुक्त रोपण सामग्री; प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बड़े कार्पोरेट घरानों के साथ गठजोड़, निजी क्षेत्र के सहयोग से फसलोपरांत प्रबंधन एवं विपणन रणनीतियां तैयार करना, राज्य की संस्कृतिक को प्रदर्शित करती हुई डिजाइन आदि के वृद्धिशील प्रयोग के साथ हैंडीक्राफ्ट तथा हैंडलूम उत्पादों का संवर्धन आदि प्रमुख विषय शामिल किए जा सकते हैं।

इस सेमिनार का आयोजन भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ई सी जी सी) तथा मिजोरम एंट्रेप्रेन्योरशिप नेटवर्क (एम ई एन) के सहयोग से किया गया।

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क कीजिए : श्री डेविड सिनाटे, महाप्रबंधक, निगमित कार्य समूह, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, केंद्र एक भवन, 21 वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केंद्र संकुल, कफ परेड, मुंबई-400 005 टेलीफोनः (022) 2217 2829 फैक्सः (022) 2218 2572 ई-मेल : cag@eximbankindia.in